अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़
दीक्षान्त और वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह – 11 अप्रैल, 2014
वार्षिक विवरण (2013–2014)

अग्रवाल महाविद्यालय के दीक्षान्त और वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर उपस्थित आज के मुख्य अतिथि सम्मानीय न्यायाधीश श्रीमान् नरेश कुमार सांघी जी; अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के प्रधान श्रद्धेय लाला रतन सिंह गुप्ता जी, कॉलेज प्रबन्धन समिति के अन्य माननीय पदाधिकारीगण, विद्या प्रचारिणी सभा के आदरणीय सदस्यगण, कॉलेज में कार्यरत प्राध्यापक व गैर शिक्षक समुदाय, कर्मचारी वर्ग, पत्रकार बन्धु और पुरस्कार तथा डिग्री प्राप्त करने आए स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियो – आप सबका हार्दिक स्वागत और अभिनन्दन।

सर्वप्रथम, आज के मुख्य अतिथि न्यायाधीश श्रीमान नरेश कुमार सांघी जी से आप सबको परिचित करवाना, मैं अपना दायित्व समझता हूँ। आज एक ऐसी शख्सियत हमारे बीच उपस्थित हैं जिन्होंने अपनी कार्य कुशलता व प्रतिभा के बल पर समाज में और न्याय व्यवस्था के क्षेत्र में निष्पक्ष कर्तव्यनिष्ठा एवं कर्मठता का परिचय दिया है । आदरणीय न्यायाधीश श्रीमान नरेश कुमार सांघी जी अपने विद्यार्थी जीवन में पुस्तकीय ज्ञान के अतिरिक्त खेलों और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी रुचि रखते थे।

सामाजिक कार्यों में विशेष लगाव के कारण आप अपनी रुचि के अनुरूप वकालत से जुड़े। आपने वकालत की डिग्री "यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लॉ" नागपुर से प्राप्त की और विद्यार्थी संघ के प्रधान चुने गए। वकालत और न्याय के संस्कार आपको पारिवारिक विरासत में मिले। सन 1987 में आप "म्यूनिसिपल कमेटी" नारनौल के अध्यक्ष चुने गए। आयकर विभाग ने आपके महत्वपूर्ण राजकोषीय योगदान के लिए आपको "सम्मान पत्र" से सम्मानित किया। सन् 1996 में आप हरियाणा के डिप्टी एडवोकेट जनरल (उपमहाधिवक्ता) चुने गए और 2007 में पंजाब के "एडिशनल ऐडवोकेट जनरल" के पद को सुशोभित किया। तदुपरान्त 30 सितम्बर, 2011 से पंजाब–हरियाणा उच्च न्यायालय में एडिशनल न्यायाधीश का कार्यभार कुशलतापूर्वक संभाले हुए हैं।
अत्यन्त कर्मठ, व्यवहार कुशल, वाणी में सौम्य, एकाग्र लक्ष्य, सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित और न्यायशील व्यक्तित्व को मुख्य अतिथि के रूप में पाकर हम और हमारे

विद्यार्थी गौरव का अनुभव करते हैं। आपके द्वारा डिग्री और पुरस्कार प्राप्त कर तथा आपके विचारों को सुनकर हमारे युवा छात्र अवश्य ही लाभान्वित होंगे। मान्यवर, हमारे आग्रह को स्वीकार कर अपने व्यस्ततम समय में से वक्त निकाल कर आप हमारे महाविद्यालय में पधारे, इसके लिए हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

मान्यवर, अब मैं आपके समक्ष अपने महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत करता हूँ। वर्ष 1971 में बल्लबगढ़ और आस–पास के गाँवों के युवाओं की उच्च शिक्षा की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए कुछ प्रतिबद्ध समाजसेवियों ने अग्रवाल महाविद्यालय की स्थापना की। महाविद्यालय के अतिरिक्त प्रचारिणी सभा द्वारा संचालित पाँच विद्यालय हैं– Aggarwal Boys Sr. Sec. School., Ballabgarh Aggarwal Primary School, Ballabgarh , Aggarwal Public School, Ballabgarh, Aggarwal Public School, Sec-3, Ballabgarh , Aggarwal Girls Sr. Sec. School., Ballabgarh. इन सभी संस्थाओं में आज 11035 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। जिसमें 3905 विद्यार्थी महाविद्यालय के हैं. महोदय, हमारी विद्या प्रचारिणी सभा के सभी सदस्य उदार हृदय भी हैं जिसके चलते उन्होंने गरीबी रेखा से नीचे एवं अन्य सभी विद्यार्थी जो फीस देने में असमर्थ हैं उनकी सहायतार्थ 73,69,100 रू0 की धन राशि का Fee concession दिया है जो अपने आप में एक मिसाल है। ज़रूरतमन्द विद्यार्थियों को किताबें भी दी जाती हैं।

आरंभ में महाविद्यालय में बी.ए., बी.कॉम. और बी.एस.सी. के पारंपरिक विषय ही उपलब्ध थे लेकिन अब समय की बदलती माँगों के साथ प्रति वर्ष नए व्यावसायोपयोगी विषय व पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए मुहैया करवाए जाते हैं। वास्तव में शिक्षा और रोज़गार का परिदृश्य इतनी तेज़ी से बदल रहा है कि नए व्यावसायिक पाठ्यक्रम आज विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य और आवश्यक हो गए हैं। इन नए पाठ्यक्रमों को स्व–वित्तीय योजना के अंतर्गत चलाया जाता है । स्नातक पाठ्यक्रमों में बी.सी.ए; बी.बी.ए., बी.बी.ए (कैम), बी.एस.सी. कम्प्यूटर साईंस एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, बी.कॉम (कम्प्यूटर एप्लीकेशन) और बी.कॉम ऑनर्स हैं। इसके साथ ही स्नातकोत्तर स्तर पर एम.कॉम., एम.एस.सी, (कम्प्यूटर साईंस), एम.ए. हिन्दी, एम.ए. / एम.एस.सी. गणित, एम.एस.सी. भौतिकी औए एम.ए. अर्थशास्त्र की कक्षाएं सुचारु रूप से चल रही हैं ।

कॉलेज में तीन संभाग हैं – प्रथम संभाग (केवल छात्राओं के लिए), द्वितीय संभाग (सह–शिक्षा) व तृतीय संभाग (स्ववित्तीय व सह शिक्षा)। कॉलेज के पास अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त तीन पुस्तकालय, 543 कम्प्यूटरों से युक्त 10 कम्प्यूटर लैब, रसायन

शास्त्र व भौतिक शास्त्र की प्रयोगशालाएं हैं जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाता है। महाविद्यालय में LCD और Smart Board से युक्त 8 Smart Class Rooms हैं. शिक्षा को रोज़गारोन्मुख बनाने के लिए महाविद्यालय में 6 Add on Courses भी चलाए जा रहे हैं। English Language Lab में Functional English, Web Designing and Offfice automation, Accounting on Computers, Retail Marketing, Computer Hardware and Maintenance, Accounting & Tax procedures. इसके अतिरिक्त NIIT के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए व्यावसायोपयोगी कार्यक्रम (Carrer Enhancement and Employbility Programme (CEEP) भी चलाया जा रहा है।

हमारे कॉलेज में 3905 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इनमें 1622 छात्र तथा 2283 छात्राएं हैं तथा इन्हें शिक्षित करने का कार्य 126 सुयोग्य व अनुभवी प्राध्यापकों द्वारा किया जाता है, जिनमें 27 Ph.D, 25 Net/Slet, 35 M.Phil हैं।

मान्यवर, महाविद्यालय के सभी कार्यों को सफलता पूर्वक सम्पन्न करने के लिए विभिन्न समितियाँ गठित की गई हैं – समय–सारिणी समिति, अनुशासन, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, पुस्तकालय, मीडिया, कैंटीन व प्रवेश समिति. संभाग दो के प्रभारी श्री अशोक कौशिक हैं तथा कार्यालय संबंधी समस्त कार्य श्री विजय सिंहल की देखरेख में संपन्न होते हैं। विद्यार्थियों को आत्माभिव्यक्ति का मंच प्रदान करने के लिए वार्षिक पत्रिका **"स्रोत"** प्रकाशित की जाती है जिसके मुख्य संपादक डॉ0 अशोक निराला हैं।

विद्यार्थियों व प्राध्यापकों के संयुक्त प्रयासों के द्वारा कॉलेज ने विभिन्न क्षेत्रों में विश्वविद्यालय, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं जिनका विवरण इस प्रकार है–

शैक्षणिक उपलब्धियाँ–

हमारे महाविद्यालय के परीक्षा–परिणाम विश्वविद्यालय की तुलना में सदैव सकारात्मक रहते हैं। वर्ष 2012–13 की वार्षिक परीक्षा में 201 विद्यार्थियों ने महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक की मैरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त किया। 125 विद्यार्थी पहले स्थान से दसवें स्थान पर रहे और 10 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की मैरिट लिस्ट में प्रथम स्थान मिला।

1. मिनी गुप्ता– बी.कॉम (कम्प्यूटर एप्लीकेशन) तृतीय सेमेस्टर
2. राखी शर्मा– बी.बी.ए. (कैम) प्रथम सेमेस्टर
3. नीतिका गर्ग– बी.बी.ए. (कैम) द्वितीय सेमेस्टर
4. मनीश कुमार – बी.बी.ए. (कैम) पंचम सेमेस्टर
5. पूजा गुप्ता– बी.बी.ए. (कैम) पंचम सेमेस्टर
6. अनु गोयल– बी.सी.ए. तृतीय सेमेस्टर
7. नेहा गोयल–एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस) तृतीय सेमेस्टर
8. नेहा गोयल–एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस) चतुर्थ सेमेस्टर
9. भावना जैन– एम.ए. हिन्दी प्रथम सेमेस्टर
10. मेघा मंगला– एम.कॉम. प्रथम सेमेस्टर

विशेष तथ्य यह है कि अनु गोयल तथा नेहा गोयल ने गत वर्ष भी विश्वविद्यालय की मैरिट सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया था. इस दीक्षान्त समारोह में कुल 848 स्नातक व स्नातकोत्तर डिग्रीयाँ प्रदान की जा रही है।

क्रीड़ा क्षेत्र की उपलब्धियाँ

महाविद्यालय में प्रतिवर्ष दो दिवसीय एथलेटिक मीट का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष **43वीं** एथलेटिक मीट 21–22 मार्च 2014 को आयोजित की गई। जिसमें दीपक (बी.ए. तृतीय वर्ष) और सविता (बी.ए. प्रथम वर्ष) सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किए गए। कॉलेज के विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय, स्तर पर अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर SAF Games में बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा प्रीति लांबा ने रजत पदक प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया. इसी छात्रा ने North Zone Athletic Championship और All India Athletic Championship में 3 कि0मी0 की Race में कीर्तिमान स्थापित करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया. राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित All India Archery Championship में दीपक, नेहा, उषा, प्रीति, पायल और लवकेश ने महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया तथा हरियाणा राज्य Archery Championship और Inter College

Archery Tournament में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत व स्वर्ण पदक के हकदार बने. तायक्वान्डो में बी.ए. प्रथम वर्ष के लोकेश और एम.ए. द्वितीय वर्ष की पूजा ने Haryana State Championship में स्वर्ण पदक प्राप्त कर महाविद्यालय और विश्वविद्यालय का सम्मान बढ़ाया। राइफ्ल शूटिंग ट्रॉफी में रजनी, नीतू, बाला और गीतांजलि ने राष्ट्रीय स्तर पर महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया मुख्य बात यह है कि विश्वविद्यालय की राइफल शूटिंग ट्रॉफी पर हमारे महाविद्यालय की छात्राएं पिछले तीन वर्षों से लगातार अपना कब्जा बनाए हुए हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना – हमारे महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीन इकाइयाँ हैं। इन तीनों इकाइायों में महाविद्यालय के 360 विद्यार्थी पंजीकृत (Registered) हैं। श्रीमती किरण आनन्द, श्री रवीन्द्र जैन और श्रीमती रेखा सैन इन इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी हैं। ये इकाइयाँ राष्ट्रीयहित में साक्षरता, वृक्षारोपण, स्वच्छता, पर्यावरण संतुलन, एच. आई. वी., एड्स के प्रति जागरूकता और ऊर्जा व जल संरक्षण जैसे अभियान चलाकर विद्यार्थियों में मानवता, सेवा व कर्त्तव्यनिष्ठा की भावना जागृत कर उनके बेहतर व्यक्तित्व का निर्माण करती हैं। इस सत्र में शीतकालीन एन.एस.एस. शिविर के अंतर्गत इन इकाइयों के स्वयंसेवकों ने सैक्टर 4 के पटेल नगर क्षेत्र की झुग्गी–झोंपड़ियों को adopt कर वहाँ के निवासियों को शिक्षा के अधिकार और स्वच्छता से परिचित करवाया। इस क्षेत्र के उन बच्चों को शिक्षा का अधिकार देने का संकल्प किया गया जो अज्ञानता व निर्धनता के कारण इससे वंचित है। स्वयंसेविकाओं ने वृद्धाश्रम जाकर अपनी संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए वहाँ के निवसियों के प्रति अपनत्व और सम्मान का भाव व्यक्त जिया तथा त्यौहारों के अवसर पर Volunteers उनके पास जाकर उनकी रिक्तता भरने की चेष्टा करते हैं। पुलिस कमिश्नर, फरीदाबाद द्वारा चलाए गए "महिलाओं के लिए सुरक्षित शहर का निर्माण" अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बने हमारे Volunteers ने शहर के इलाकों का Safety audit भी किया। तीनों इकाइयों के Volunteers ने 15,000 रू0 की राशि एकत्र कर वृद्धाश्रम और EVAD संस्था को दान दी। चुनाव में मतदाताओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय चुनाव आयोग के निर्देशानुसार मतदाताओं को जागरुक करने के लिए NSS Volunteers ने 25 जनवरी, 1 मार्च, 28 और 29 मार्च को जागरुकता रैलियाँ निकालीं।

"स्वामी विवेकानन्द सार्धशती आयोजन समिति" द्वारा आयोजित निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में स्वयंसेविका गीता रानी ने राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर 5,100 रु0 का पुरस्कार अर्जित किया। NSS इकाई तृतीय के तेजन और सोनू तेवतिया हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए युवा समारोह के लिए चुने गए। राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर अरुणाचल प्रदेश में आयोजित Adventure Camp में प्रतिभागिता करने के लिए और हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने के लिए हमारी एन.एस.एस. तृतीय इकाई की स्वयंसेविका रेखा रानी को उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा के द्वारा सम्मान पत्र दिया गया. इकाई तृतीय का स्वयंसेवक नरेन्द्र डागर अपनी विशेष उपलब्धियों के लिए जिला स्तर पर तीसरे स्थान पर रहा और इसी इकाई के तेजन शर्मा को इस वर्ष का सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक घोषित किया गया।

एन.सी.सी. – डॉ0 योगेश गोयल की देख रेख में एन.सी.सी. की Naval इकाई कार्य कर रही है। इस इकाई ने दशहरा ग्राउण्ड, फरीदाबाद में गणतत्र दिवस के अवसर पर आयोजित परेड में पहला स्थान प्राप्त किया। 11 कैडेटों ने CEE परीक्षा "A" Grade में पास की। इस इकाई के अनेक कैडेट समय–समय पर आयोजित नौसैनिक शिविरों में भाग लेते हैं. यह इकाई कॉलेज के सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और समारोहों में विशेष सराहनीय भूमिका निभाती है. खजान सिंह पाठक को इस वर्ष का सर्वश्रेष्ठ कैडेट घोषित किया गया है।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ – डॉ0 टी0डी0 दिनकर (निदेशक युवा कल्याण) डॉ0 पूनम आनन्द (कन्वीनर) और श्रीमती शिल्पा गोयल (डिप्टी कन्वीनर) के मार्ग दर्शन में कॉलेज के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक गतिविधियों में ज़िला और राज्य स्तर पर अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। ज़िला स्तर पर युवा समारोह में हमारे विद्यार्थियों ने कुल 5 पुरस्कार प्राप्त किए। जिनमें से लोक नृत्य, सितार वादन और समूहनृत्य हरियाणवी में प्रथम एवं तबला वादन में द्वितीय स्थान प्राप्त किया. **"हरियाणा दिवस"** पर कुरूक्षेत्र में आयोजित राज्य स्तरीय उत्सव **"रत्नावली"** में भी हमारे विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन किया और वहाँ भी रसिया समूह नृत्य को प्रथम पुरस्कार मिला। इसी रसिया नृत्य को 33 वें अतंर्राष्ट्रीय व्यापार मेला प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 17 नवम्बर को पुनः प्रस्तुत करने का गौरव प्राप्त हुआ। फरीदाबाद के सैक्टर 12 स्थित टाउन पार्क में पुष्प मेला के अंतर्गत आयोजित रंगोली प्रतियोगिता

में कॉलेज छात्रा राखी द्वारा बनाई गई रंगोली सर्वश्रेष्ठ घोषित हुई। इसके साथ ही राखी, हिना, याशिका, मोनिका की टीम ने सामूहिक रंगोली में दूसरा स्थान प्राप्त किया ।

महिला प्रकोष्ठ – डॉ0 पूनम आनन्द, श्रीमती शोभना गोयल और श्रीमती उषा चौधरी के दिग्दर्शन में तीनों संभागों में महिला प्रकोष्ठ कार्यरत है। इस प्रकोष्ठ के अन्तर्गत भ्रूण हत्या, निरक्षरता, बाल–विवाह, दहेज प्रथा, महिला सशक्तीकरण जैसे संवेदनशील विषयों को निबन्ध लेखन, स्लोगन लेखन और वाद–विवाद के माध्यम से व्यक्त किया जाता है । 19 सितम्बर, 2013 को हरियाणा वूमेन्स वेलफेयर एसोसिएशन, फरीदाबाद के तत्वावधान में **"सामाजिक मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व"** पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसके साथ ही 22 जनवरी, 2014 को **"Building a safe city for women"** विषय पर पुनः संगोष्ठी हुई. 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कॉलेज के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने विचार प्रस्तुत किए एवं जागरूकता का परिचय दिया। **"ज़िन्दगी ज़िन्दाबाद"** कैंपेन के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक, अमर उजाला के **"बेटी ही बचाएगी"** अभियान इत्यादि आयोजनों के साथ–साथ महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने महिला प्रकोष्ठ के सहयोग से पं0 जवाहर लाल नेहरू कॉलेज में आयोजित अन्तर महाविद्यालय समारोह में भाग लेकर नाटक में प्रथम, स्लोगन लेखन और पोस्टर मेकिंग में द्वितीय तथा प्रश्नोत्तरी में तृतीय पुरस्कार प्राप्त कर Over All ट्रॉफी पर अधिकार जमाया।

इन्टैक यंग हैरिटेज क्लब – कला और सांस्कृतिक विरासत के भारतीय राष्ट्रीय ट्रस्ट के तत्वाधान में हमारे महाविद्यालय में सितम्बर 2009 से यह क्लब विद्यार्थियों में राष्ट्रीय स्मारकों के संरक्षण के प्रति ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण, पत्र– वाचन और स्लोगन लेखन के माध्यम से जागरूकता उत्पन्न कर रहा है। इस क्लब के कन्वीनर डॉ0 जयपाल सिंह हैं और इसके सदस्य इतिहास विभाग से जुड़े 98 विद्यार्थी हैं। इस क्लब के द्वारा विद्यार्थियों को आगरा के दर्शनीय ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करवा कर अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति सजग करने का प्रयास किया गया।

विज्ञान फोरम:– डॉ0 रीना चौधरी के मार्ग दर्शन में विज्ञान फोरम के अन्तर्गत 28

फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। जिसमें अन्तर्महाविद्यालय स्तर पर प्रश्नोत्तरी और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गईं। इस फोरम के अंतर्गत समय–समय पर विज्ञान संबंधित विषयों पर उपयोगी वार्ताएं, निबन्ध लेखन व स्लोगन लेखन प्रतियोगिताएं. आयोजित की जाती हैं। 30–31 जनवरी, 2014 को राजकीय महाविद्यालय, फरीदाबाद में आयोजित जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में हमारे महाविद्यालय का भौतिक शास्त्र संबंधित Model दूसरे स्थान पर रसायन शास्त्र संबंधित Model तीसरे स्थान पर पुरस्कृत हुआ।

करियर निर्देशन, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ – यह प्रकोष्ठ विविध औद्योगिक संस्थानों और वैज्ञानिक व तकनीकी मानवीय संसाधनों और महाविद्यालय के विद्यार्थियों के बीच पुल का कार्य करता है । डॉ0 मनोज शुक्ला, डॉ0 पूनम आनन्द और श्रीमती शिल्पा गोयल इस प्रकोष्ठ के प्रभारी हैं । विद्यार्थियों को लाभान्वित करने के लिए समय–समय पर प्रेरक वार्ताएं, aptitude test और seminar आयोजित किए जाते है । 29 अक्तूबर, 2013 को कॉलेज में फाइनल के सभी विद्यार्थियों के लिए Job Fair आयोजित किया गया जिसमें 5 कंपनियों द्वारा Job Fair मे भाग लेने वाले 850 विद्यार्थियों का चयन किया गया। 26 फरवरी, 2014 को Global Talent Tracks, मुबंई द्वारा Campus Recruitment में 27 विद्यार्थियों को Short list किया गया. 28 फरवरी, 2014 को GENPACT द्वारा 03 विद्यार्थियों का चयन किया गया। NIIT के सहयोग से IFBI द्वारा 11 मार्च, 2014 को एक संगोष्ठी आयोजित की गई और Group Discussion तथा Personal साक्षात्कार के उपरान्त कॉलेज के 21 विद्यार्थी विभिन्न बैंकों के लिए चुने गए।

संगोष्ठी व कार्यशालाएं – विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों के ज्ञान–वर्द्धन के लिए महाविद्यालय में समय–समय पर विभिन्न विभागों द्वारा संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है । 18,19,20 अक्तूबर को विज्ञान विभाग की ओर से त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। भारत के 19 राज्यों और विदेशों से लगभग 220 प्रतिभागी इस संगोष्ठी में शिरकत करने आए. इस संगोष्ठी में प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता जी को भारतीय नाभकीय चिह्न समिति का अध्यक्ष चुना गया। 7–8 फरवरी, 2014 को वाणिज्य विभाग द्वारा “भारत के कृषि–खाद्य क्षेत्र पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रभाव” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

हुई जिसमें 55 प्रतिभागियों ने अपने पत्र प्रस्तुत किए। 28–29– फरवरी, 2014 को पुस्तकालय और सूचना विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें 70 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समय–समय पर करियर काउंसलिंग और महिला प्रकोष्ठ द्वारा विद्यार्थियों के लिए उपयोगी कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।

क्लब व फोरम – महाविद्यालय में विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास व जागरूकता बढाने के लिए अनेक फोरम व क्लब हैं । English Language Society, हिन्दी साहित्य परिषद, विज्ञान, गणित, स्पोर्टस, कम्प्यूटर, अर्थशास्त्र, पर्यावरण, वाणिज्य और प्रबन्धन सभी विषयों से संबंधित फोरम विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए समय समय पर अनेक विद्वानों की वार्ताएं, भाषण व ज्ञान–उपयोगी कार्यक्रम करवाते रहते हैं । हिन्दी साहित्य परिषद ने 7 सितम्बर से 14 सितम्बर, 2013 तक **"हिन्दी चेतना सप्ताह"** के अन्तर्गत अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित कीं। रैड रिबन क्लब विद्यार्थियों में एड्स की जागरूकता प्रदान करने में संलग्न है । इस क्लब के तत्वावधान में 1 दिसम्बर, 2013 को **"विश्व एड्स दिवस"** के अवसर पर उपयोगी जानकारी दी गई । इस क्लब के कन्वीनर डॉ0 अनिल सिंघल हैं जिनकी देख रेख मे कॉलेज में प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर आयोजित किया जाता है । इस सत्र में दो रक्तदान शिविर लगाए गए जिसमें 272 इकाई रक्तदान किया गया और स्वंय डॉ0 अनिल सिंघल ने अपने जीवन काल में 51वीं बार रक्तदान कर एक कीर्तिमान स्थापित किया। कॉलेज प्रबन्ध समिति के वरिष्ठ सदस्य और शहर के प्रख्यात उद्योगपति श्री देवेन्द्र गुप्ता जी ने स्वयं रक्तदान कर विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया। कॉलेज में कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिकों के अधिकार तथा कर्तव्य जैसे विषयों पर विचार विमर्श का अवसर देता है । श्री अशोक कौशिक इस प्रकोष्ठ के कन्वीनर हैं । 6 नवम्बर, 2013 को राजकीय महिला महाविद्यालय, फरीदाबाद में आयोजित अंतर्महाविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रिया कौशिक ने प्रथम व नसीम ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

शैक्षणिक भ्रमण – विद्यार्थियों में एकजुट होकर काम करने की भावना विकसित करने हेतु शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किये जाते हैं । इस वर्ष श्रीमती शोभना गोयल के नेतृत्व में 42 विद्यार्थियों का एक टूर चार दिन के लिए उदयपुर और चित्तौड़ के लिए

आयोजित किया गया। विज्ञान के विद्यार्थियों को समय–समय पर औद्योगिक इकाइयों में लेजाकर व्यावहारिक शिक्षा दी जाती है ।

इन सबके अतिरिक्त महाविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की योजना के अन्तर्गत अनुसूचित और पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों तथा पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएँ लगाई जाती हैं; निःशुल्क पुस्तकें तथा छात्रवृतियाँ दी जाती हैं । यह कार्य डॉ0 नरेश कामरा के संरक्षण में हो रहा है ।

महाविद्यालय के पुस्तकालय विभाग की ओर से दो अंतर्राष्ट्रीय Journal पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ0 राम चन्द्र की देख रेख मे प्रकाशित होते हैं। हमारे महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक दूसरे विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की संगोष्ठियों में Resource Person के रूप में प्रतिष्ठित होते हैं।

महोदय, एक अन्य महत्वपूर्ण जानकारी यह है कि कॉलेज प्रबन्ध समिति के वरिष्ठ सदस्य और अधिवक्ता श्री बाबू लाल सिघंल जी अपनी पूज्य माता जी की स्मृति में पिछले 10 वर्षो से बी.ए. में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को स्वर्ण पदक देते रहे हैं । गत वर्ष श्री बाबू लाल जी का भी निधन होने के बावजूद उनके सुपुत्र श्री रघुवेश सिंघल जी ने उस समृद्ध परम्परा को आगे बढ़ाते हुए **“माता किशनदेई स्वर्ण पदक”** देने का निश्चय किया है। यह सौभाग्य बी.ए. तृतीय वर्ष की गीता देवी को प्राप्त है। विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को प्रोत्साहित करने के लिए भौतिक विज्ञान के वरिष्ठ प्राध्यापकों श्री रवीन्द्र जैन और श्री संजीव गुप्ता द्वारा **Conscience for Science** नाम से स्वर्णपदक गत वर्ष आरंभ किया गया. यह सम्मान बी.एस.सी. तृतीय वर्ष की छात्रा शिल्पा गोयल को प्रदान किया जाएगा. गत वर्ष अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ की Alumni Association ने भी वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए स्वर्ण पदक प्रदान करने का निर्णय लिया। यह स्वर्णपदक बी.कॉम तृतीय वर्ष की छात्रा नेहा को दिया जाएगा.

कॉलेज के विकास और प्रगति में अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा तथा इसके पदाधिकारियों विशेषतः प्रधान लाला रतन सिंह गुप्ता जी, उपप्रधान श्री वासुदेव गुप्ता, महासचिव श्री अशोक मित्तल व कोषाध्यक्ष श्री मेहर चन्द मित्तल का महत्वपूर्ण

योगदान है । महानिदेशक, उच्चतर शिक्षा एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूँ ।

मान्यवर, हमारे महाविद्यालय की इन समस्त उपलब्धियों का श्रेय विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, गैर शिक्षण कर्मचारियों और प्रबन्धन समिति के सामूहिक प्रयास को जाता है । इन्हीं सामूहिक प्रयासों का सुफल यह है कि इस वर्ष के आरंभ में 29, 30 व 31 जनवरी, 2014 को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्ययन परिषद की तीन सदस्यों की टीम ने महाविद्यालय की समस्त गतिविधियों, विभागों, Infrastructure और प्रशासनिक कार्यों की बारीकी से जाँच करते हुए कॉलेज को **3.40 सी.जी.पी.ए.** प्रदान करते हुए "**A**" ग्रेड प्रदान किया। अब इस महाविद्यालय की गणना हरियाणा तो क्या भारत के श्रेष्ठतम महाविद्यालयों में की जाती है। लेकिन हमें इस मंज़िल पर ठहरना या रुकना नहीं है । बल्कि निरंतर आगे बढ़ना ही हमारा लक्ष्य है।

किसी विद्वान ने सच ही कहा है– **"सच्चा आनन्द मंज़िल पर नहीं, पथ पर ही है. जीवन का रस शेष रह गये उद्देश्यों में है, आशा में है"**

इसीलिए किसी कवि ने कहा है–

उम्मीद वक्त का सबसे बड़ा सहारा है।

जो हौसला हो तो तूफान में भी किनारा है।।

महोदय, विज्ञान, शिक्षा, अनुसंधान और नवोन्मेष चार स्तम्भ हैं जिन पर किसी राष्ट्र की कार्य संस्कृति और विकास टिका होता है। महाविद्यालय में हम अपने विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा और आवश्यक कौशल प्रदान करते हैं ताकि वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफल हों।

अन्त में, मैं सब अतिथियों के प्रति विशेषरूप से मुख्य अतिथि न्यायाधीश सम्मानीय नरेश कुमार सांघी जी के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने यहाँ पधार कर समारोह की शोभा बढ़ाई ।